

परिषदीय विद्यालय के बच्चों का हुआ निपुण आकलन परीक्षा

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक हुई सम्पन्न

सरल ऐप के माध्यम से ओएमआर शीट पर हुआ आकलन

दैनिक बुद्ध का संदेश सिद्धार्थनगर। परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, व कंपोजिट विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का निपुण असिमेंट टेस्ट (एन ए टी) हुआ। इसको लेकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में तैयारी पहले ही पूरी कर ली थी। महानिदेशक स्कूल शिक्षा के आदेशानुसार कक्षा एक से तीन तक के विद्यार्थियों की परीक्षा परीक्षा सुबह 9.30 बजे से 11.30 बजे तक और कक्षा चौथी से आठवीं तक के विद्यार्थियों की परीक्षा दोपहर 12.30 से 2.00 बजे तक सम्पन्न हुई। टेस्ट के लिए प्रश्न-पत्र और ओएमआर शीट सीलबंद लिफाफे में प्रत्येक ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) से स्कूलों को पहुंचा दी गई थी। समय से व निष्पक्ष तरीके से परीक्षा सम्पन्न हो सके इसके लिए सुबह से ही ब्लॉकों में खंड



दैनिक बुद्ध का संदेश सिद्धार्थनगर। जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार की उपस्थिति में जिलाधिकारी कक्ष में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी संजीव रंजन ने जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत जनपद में घर घर जल नल योजना के अन्तर्गत विभिन्न विकास खण्डों से चयनित ग्राम पंचायतों में कियान्वयन हेतु अधिशासी अभियन्ता जल निगम को निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने अधिशासी अभियन्ता जल निगम को जनपद के 20 ग्राम पंचायतों में क्रियान्वयन हेतु डी.पी.आर. तैयार कराने का निर्देश दिया। जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत जनपद में घर घर जल योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायतों में कार्य के दौरान सड़क क्षतिग्रस्त हो गयी थी उनको ठीक कराने का निर्देश दिया गया इस बैठक में उपरोक्त के अतिरिक्त परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 नागरेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, अधिशासी अभियन्ता जल निगम, तथा अन्य संबंधित अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।



जनपद में शुरू प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना हुआ भर्ती कैंप का आयोजन

में 240 आवेदनों का अनुमोदन

दैनिक बुद्ध का संदेश सिद्धार्थनगर। भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद के सौजन्य से एस आई एस के संयुक्त तत्वाधान में भर्ती कैंप का आयोजन किया जा रहा है जिसमें ग्रामीण व शहरी शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार प्रदान करने हेतु सिक्कोरिटी स्किल काउंसिल ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा भर्ती कैंप जनपद में दिनांक 03 दिसंबर 2022 को विकास खण्ड डुमरियागंज, 05 दिसंबर 2022 को विकास खण्ड बड़नी, 06 दिसंबर 2022 विकास खण्ड शोहरतगढ़, 07 दिसंबर 2022 को विकास खण्ड उसका बाजार, 08 दिसंबर 2022 को विकास खण्ड जोगिया, 09 दिसंबर 2022 को विकास खण्ड खेरसरा, 10 दिसंबर 2022 को विकास खण्ड बांसी, 12 दिसंबर 2022 को विकास खण्ड मिठावल, 13 दिसंबर 2022 को विकास खण्ड खुनियाँ, 14 दिसंबर 2022 को विकास खण्ड बड़बुर, 15 दिसंबर 2022 को विकास खण्ड लोटन, 16 दिसंबर 2022 को विकास खण्ड इटावा एवं 17 दिसंबर 2022 को विकास खण्ड नौगढ़ में समय प्रातः 10:00 से

दैनिक बुद्ध का संदेश सिद्धार्थनगर। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना अन्तर्गत वर्ष 2022-23 हेतु विभागीय पोर्टल पर प्राप्त हुए आवेदनों में से जिला स्तरीय समिति द्वारा कुल 240 आवेदनों का अनुमोदन किया गया है। जिला तृतीय समिति द्वारा अनुमोदित आवेदनों में से विभागीय पोर्टल लिउपेनचेकबणहवअणद पर ई-लाटरी सिस्टम द्वारा चयन की प्रक्रिया में परियोजनावार लक्ष्य के सापेक्ष निजी भूमि पर तालाब निर्माण एवं प्रथम वर्ष निवेश (लक्ष्य 8.00 हे०) के कुल 108 आवेदनों में से 11 चयनित एवं 97 प्रतिक्षारत बायोपलाक पाण्ड(लक्ष्य 4यूनिट) के कुल 03 में से 02 चयनित एवं 01 प्रतिक्षारत मत्स्य बीज हैचरी (लक्ष्य 1 यूनिट) के कुल 01 में से 01 चयनित, रियरिंग यूनिट (लक्ष्य 3.25 हे०) के कुल 02 में से 01 चयनित एवं 01 प्रतिक्षारत वृहद आर०ए०एस० में कोई लक्ष्य प्राप्त न होने के कारण दोनों आवेदन प्रतिक्षारत, मत्स्य आहार प्लांट में कोई लक्ष्य प्राप्त न होने के कारण दोनों आवेदन प्रतिक्षारत, लघु आर०ए०एस० (लक्ष्य 20 यूनिट) के कुल 01 में से 01 चयनित, मोटर साइकिल विद आइस बाक्स (लक्ष्य 26 यूनिट) के कुल 14 में से 14 चयनित साइकिल विद आइस बाक्स (लक्ष्य 30 यूनिट) के कुल 04 में से 04 घयनित, जिन्दा मछली विक्रय केंद्र (लक्ष्य 5 यूनिट) के कुल 01 में से 01 चयनित एवं कियोस्क (लक्ष्य 8 यूनिट) के कुल 01 में से 01 आवेदन चयनित हुए। उक्त आशय की जानकारी सहायक निदेशक मत्स्य ने अपने एक प्रेस विज्ञापि के माध्यम से दिया है।

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य तक पहुंचा आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का मामला
बस्ती। रूझौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने आउटसोर्सिंग के माध्यम से जिले में तैनात सभी कर्मचारियों के मानदेय भुगतान हेतु प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण से वार्ता किया। बताया कि पिछले 10 माह से स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों में मानदेय भुगतान न होने के कारण उनके समक्ष जीविका का संकट खड़ा हो गया है। पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने बताया कि प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण ने इसे गंभीरता से लिया और फोन पर ए.डी.हेल्थ से वार्ता के बाद सी.एम.ओ. बस्ती भुगतान कराने हेतु आदेश जारी हुआ। इस प्रकरण में बस्ती डिस्ट्रिक्ट एकाउंटेड मैनेजर को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है। पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों ने मानदेय भुगतान हेतु बस्ती डीएम का घेराव किया था, जानकारी होने पर उन्होंने स्वतः संज्ञान लिया। कहा कि यदि स्वास्थ्य विभाग के आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को शीघ्र मानदेय भुगतान न हुआ तो वे प्रकरण को मुख्यमंत्री तक ले जायेंगे।

03:00 बजे तक भर्ती कैंप का आयोजन किया जा रहा है। इच्छुक बेरोजगार अभ्यर्थी जिनकी योग्यता सुरक्षा जवान हेतु 10वीं पास, उम्र 21 से 35 वर्ष, लंबाई 168 सेंटीमीटर एवं सुपरवाइजर हेतु 12वीं पास उम्र 21 से 36 वर्ष, लंबाई 170 सेंटीमीटर, आवेदन कर सकते हैं। जो दो पासपोर्ट साइज फोटो, दसवीं की मार्कशीट की फोटो कॉपी एवं आधार कार्ड की फोटो कॉपी के साथ उपस्थित हो सकते हैं। उक्त आशय की जानकारी भर्ती अधिकारी बालकेश कुमार एसएससीआई, एसआईएस, रीजनल ट्रेनिंग एकेडमी, लखनऊ उत्तर प्रदेश ने अपने एक प्रेस विज्ञापि के माध्यम से दिया है।

चिन्मय लक्ष्मीबाई फाउन्डेशन

आवश्यकता है।



Chinmay Laxmibai Foundation

चिन्मय लक्ष्मीबाई फाउन्डेशन, पंजीयन सं० : 00765/2018-19, पंजीकरण संख्या : LUC/03511/2018-2019 लखनऊ को समाजिक कार्यों में रुचि रखने वाले युवा व मेहनती उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में जिला डिस्ट्रीब्यूटर एवं जिला मैनेजर की शैक्षिक योग्यता-स्नातक, परास्नातक व 03 साल का सामाजिक कार्यों का अनुभव, कम्प्यूटर व बाइक चलाने का ज्ञान होना अनिवार्य है। वेतन-18000-35000 हजार प्रतिमाह तक, मोबाईल नं०-7408523231, 7408522832, 7376803631. w.w.w.chinmaylaxmibaifoundation.org

अध्यक्ष
चिन्मय लक्ष्मीबाई फाउन्डेशन
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

पता-कार्यालय प्लैट नं० 208 श्री कृष्णा फोर्ट अपार्टमेंट
गणेशपुर, रहमानपुर, चिन्हट, लखनऊ

कार्यालय अधीक्षण अभियंता

बस्ती वृत्त, लो०नि०वि०, बस्ती
पत्रांक-6690/04 ई निविदा बस्ती-वृत्त/2022 **दिनांक-26.11.2022**

निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, महोदय उत्तर प्रदेश की ओर से अधीक्षण अभियंता, बस्ती वृत्त, लो०नि०वि०, बस्ती द्वारा उत्तर प्रदेश, लोक निर्माण विभाग में मार्ग कार्य हेतु 'ए' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेंडरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गए कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है-

क्र० सं०	जनपद का नाम	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रु० लाख में)	घरोहर राशि (रु० लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रु० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष/शुक्रु सहित)
1-	2-	3	4	5	6	7
1.	सिद्धार्थनगर	बांसी धानी विशुनपुर से पचपेड़ा सेखुई मार्ग (अ०जि०मा०) के विशेष मरम्मत का कार्य।	80.00	6.00	(निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्ज +जी०एस०टी०) (2000+300+414=2714.00)	03 माह
2.	सिद्धार्थनगर	वी०एन०के० से महुआ सम्पर्क मार्ग के विशेष मरम्मत के साथ नवीनीकरण का कार्य।	97.00	6.85	(निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्ज +जी०एस०टी०) (2000+300+414=2714.00)	03 माह
3.	सिद्धार्थनगर	अकोलही से अकोलही गांव सम्पर्क मार्ग।	46.00	4.40	(निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्ज +जी०एस०टी०) (2000+300+414=2714.00)	09 माह
4.	सिद्धार्थनगर	एल०डी० नदांव का शेष भाग करमहिया सम्पर्क मार्ग।	48.00	4.40	(निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्ज +जी०एस०टी०) (2000+300+414=2714.00)	03 माह
5.	सिद्धार्थनगर	मसीना ग्राम से उत्तर भोले शहीद बाबा सम्पर्क मार्ग।	46.00	4.30	(निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्ज +जी०एस०टी०) (2000+300+414=2714.00)	03 माह
6.	सिद्धार्थनगर	डी०सी० घाट कि०मी०-1 मालीमैना से तनुहार उर्फ कठपुतिया सम्पर्क मार्ग।	40.00	4.00	(निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्ज +जी०एस०टी०) (2000+300+414=2714.00)	03 माह
7.	सिद्धार्थनगर	बांसी डुमरियागंज मझारी से गौरा घाट सम्पर्क मार्ग।	82.00	6.10	(निविदा मूल्य +स्टेशनरी चार्ज +जी०एस०टी०) (2000+300+414=2714.00)	03 माह

1. प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता यूपी e-tender online account government के internet banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी।

2. प्रत्येक निविदा का शुल्क खाता यूपी e-tender online account government के internet banking के द्वारा ही स्वीकार की जायेगी। बिड डॉक्यूमेंट वेबसाइट <http://etender.up.nic.in> पर दिनांक 05.12.2022 से दिनांक 14.12.2022 तक उपलब्ध है। जो दिनांक 14.12.2022 को समय दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड किए जा सकते हैं इसकी तकनीकी बिड दिनांक 15.12.2022 को 2.00 बजे खोली जाएगी। निविदाओं की तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है जिसकी विस्तृत जानकारी भी डॉक्यूमेंट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है निविदा से संबंधित अधिक जानकारी ई टेंडर वेबसाइट <http://etender.up.nic.in> पर उपलब्ध है।

(वी०के०राय)
अधिशासी अभियंता
निर्माण खण्ड, लो०नि०वि०
बांसी सिद्धार्थनगर

(अशोक कुमार)
अधीक्षण अभियंता
बस्ती वृत्त, लो०नि०वि०
बस्ती

www.upgov.nic.in , UPID-r.o.182458, date : 02-12-2022

सम्पादकीय

हैरानी की बात है कि ऐसे खेले से मोदी-शाह उबते हुए नहीं हैं? कल्पना करें कि ब्रिटेन में चुनाव और राजनीति मोदी-शाह जैसी हो जाए, ऋषि सुनक चुनाव जीतने का फॉर्मूला मोदी का अपना लें तो क्या होगा? या दुनिया के ओलंपिक, विश्व फुटबॉल कप के मालिक मोदी-शाह बन जाएं वे अपनी हिंदू शैली में...

नरेंद्र मोदी गुजरात जीतेंगे लेकिन योगी आदित्यनाथ के बूते यदि जीते तो मोदी-शाह के लिए क्या डूबने वाली बात नहीं? यदि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के वोटों के बंटने से जीते तो वह क्या जीतें? लगभग हर दिन प्रधानमंत्री की रैलियों तीन महीने से लगातार प्रचार, पूरे देश के भाजपा नेताओं की कथित कॉरपेट बायबिंग, विपक्ष के उम्मीदवारों को तोड़ने से लेकर पानी की तरह पैसा बहाने के तमाम हथकंडों के बावजूद यदि कांग्रेस 40-50 सीट जीत जाए, भाजपा के वोट 40 प्रतिशत तक गिर जाएं और आप 20-25 प्रतिशत वोट पा जाए तो वह क्या नरेंद्र मोदी की वाहवाही वाली जीत होगी? सोचें, कल्पना करें कि जिस गुजरात में 27 साल से हिंदू राज है। नरेंद्र मोदी का कथित विकास मॉडल है वहां अरविंद केजरीवाल की फ्री बिजली या हजार रुपए मुफ्त जैसी रेवडियों का शहरी गुजराती दिवाना दिखलाई दे। केजरीवाल से मोदी-शाह इतने घबराए कि उसी वक्त में दिल्ली में एमसीडी के चुनाव करवाएं। और एक नगरपालिका के चुनाव में केंद्र के मंत्री से लेकर चार-चार मंत्री एक साथ प्रचार करते हुए दिखें। अरविंद केजरीवाल एंड पार्टी को गुजरात छोड़ कर दिल्ली के चुनाव के लिए लौटना पड़े। पर मेरा मानना है कि दिल्ली हो या गुजरात या हिमाचल प्रदेश हर तरफ नरेंद्र मोदी अपनी प्रतिष्ठा दांव पर लगाने, साम-दाम-दंड-भेद सब कुछ झोंकने के बावजूद चुनाव जीतते हुए भी हारेंगे। इसलिए कि असली हार-जीत तो तब होती है जब खेल ईमानदार हो। गुजरात और उसके प्रमुख गढ़ सूरत में क्या नौबत जो आप पार्टी को अपने उम्मीदवार के अपहरण की चिंता करनी पड़ी। ये चुनाव ऐसे ही हैं कि यदि फुटबॉल विश्व कप में मोदी की कप्तानी में शाह, जेपी नड्डा, योगी की टीम खेल रही होती तो दुनिया



देखती कि इस टीम ने इंग्लैंड के खिलाड़ियों को खरीद लिया, किसी को पैसे दिए, किसी का अपहरण किया, उनका खाना-पानी गायब कर दिया और हर खिलाड़ी को डरा दिया कि यदि तुमने खेला तो ईंडी-सीबीआई छोड़ देंगे। सचमुच नरेंद्र मोदी के लोकतंत्र में चुनाव, जबरिया चुनाव हो गए हैं। हर तरह की नौटंकी, जबरदस्ती का चुनाव। बस, जीतना है तो सब कुछ लुटा कर मतलब सत्य-संस्कार-चरित्र, ईमानदारी-खेल की भावना आदि को दांव पर लगा कर बस जीत जाओ। विपक्ष के पास नहीं रहने दो, उसके तैयार हुए खिलाड़ी को खरीद लो, उनका खर्चा-पानी खत्म कर दो, रेफरी को खरीदे रखो, एकतरफा नारेबाजी-तालियां बजवाओ और आखिर में रेफरी से घोषणा करवा दो कि नरेंद्र मोदी भारत केसरी, गुजरात केसरी, हिंदू केसरी! हैरानी की बात है कि ऐसे खेले से मोदी-शाह उबते हुए नहीं हैं? कल्पना करें कि ब्रिटेन में चुनाव और राजनीति मोदी-शाह जैसी हो जाए, ऋषि सुनक चुनाव जीतने का फॉर्मूला मोदी का अपना लें तो क्या होगा? या दुनिया के ओलंपिक, विश्व फुटबॉल कप के मालिक मोदी-शाह बन जाएं वे अपनी हिंदू शैली में खेल-खिलाड़ियों के आयोजन करवाएं तो अपनी टीम को कैसे जितवाएं? पैसे से सौदे-धंधे करेंगे? खिलाड़ियों को खरीदेंगे? खिलाड़ियों के पीछे ईंडी-सीबीआई को छोड़ेंगे मगर होगा वहीं, खेल उसी फिक्स अंदाज में जैसे भारत के चुनाव हो रहे हैं! गुजरात से सुनाई दे रहा है कि जीतेंगे तो मोदी? क्यों? इसलिए क्योंकि वे हार नहीं सकते? क्या महंगाई है? हां, है! क्या बेरोजगारी है? हां, है? क्या तकलीफें हैं? बहुत ज्यादा? तब वोट किसको दोगे? भाजपा को, कमल को! मोदी जीतेगा। मतलब मानो सब पूर्व निर्धारित। मैदान में दूसरा कोई है ही नहीं! सामने न कांग्रेस और न आप किसी में खेलने, ताकत लगाने, उम्मीदवारों में दम फूंकने, मतदान के दिन तक जी जान से मेहनत करने की क्षमता है ही नहीं!

मुद्दा मूल्य-सीमा का

इस मसले पर यूरोपियन यूनियन में तीखे मतभेद उभर चुके हैं। भारत और चीन इसमें शामिल होंगे, इसकी संभावना कम है। दरअसल, पश्चिम के प्राइस कैप को ना मानने वाले देशों की सूची इन दोनों देशों के अलावा और भी लंबी हो सकती है। क्या सचमुच पश्चिमी देश रूस के कच्चे तेल पर प्रस्तावित मूल्य सीमा को लागू कर पाएंगे? यूरोप में इसको लेकर जो विरोध उभरा है, उसे देखते हुए यह आसान नहीं लगता। यह साफ सामने आया है कि कई यूरोपीय देश अब ऐसा कदम उठाने के पक्ष में नहीं हैं, जिससे उनका ऊर्जा संकट और बढ़े। इसी का परिणाम है कि इस मसले पर यूरोपियन यूनियन (ईयू) में तीखे मतभेद उभर चुके हैं। भारत जैसे देश तो पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वे ऐसे किसी कदम का हिस्सा नहीं बनेंगे। जाहिर है, चीन भी इसमें शामिल नहीं होगा। पश्चिम के प्राइस कैप को ना मानने वाले देशों की सूची इन दोनों देशों के अलावा और भी लंबी हो सकती है। रूस यह साफ कह चुका है कि अगर किसी प्रकार की मूल्य सीमा लगाई गई, तो वह तेल का निर्यात बिल्कुल रोक देगा। विश्लेषकों के मुताबिक अगर रूस ने ऐसा कदम उठाया, तो उससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की महंगाई तेजी से बढ़ेगी। इसका अंदेशा अमेरिका को भी है।

अमेरिका की वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कुछ दिन पहले एक मीडिया इंटरव्यू में कहा था कि अगर तेल की कीमतें बढ़ीं, तो अमेरिका अपने स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व से और अधिक तेल बेचने का फैसला करेगा। लेकिन उससे अमेरिकी उपभोक्ताओं को भले राहत मिल सकती है, यूरोप के लोगों को नहीं तो। तो पिछले हफ्ते ईयू की कार्यकारी संस्था- यूरोपियन कमीशन की हुई बैठक में विभिन्न देशों के राजनयिकों के बीच जुबानी झड़पें होने तक की नौबत आ गई। धनी देशों के समूह जी-7 ने अगले पांच दिसंबर से अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूसी तेल पर मूल्य सीमा लगाने का प्रस्ताव रखा है। जी-7 ने यूक्रेन पर हमला करने के दंड के रूप में रूसी तेल पर प्राइस कैप लगाने का एलान किया है। योजना यह है कि मूल्य सीमा लागू होने के बाद पश्चिमी कंपनियों से ऋण और बीमा की सुविधा तभी मिलेगी, जब कोई देश तेल तय सीमा कीमत तक पर ही खरीद रहा हो। अब फैसला ईयू पर आकर टिक गया है।

भारत में हैं असीम संभावनाएं

बहरहाल भारत को बदलते वैश्विक परिदृश्य में सेमीकंडक्टर से संबंधित चार बिंदुओं पर विशेष ध्यान देना होगा। पहला, सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना तैयार करना। दूसरा मानव संसाधन को सेमीकंडक्टर क्षेत्र में दक्ष बनाना। तीसरा बदलते भूमंडलीय समीकरण में विकसित देशों के साथ मिलकर देश में आधुनिक चिप निर्माण का शुरुआत करना और चौथारू जी20 के अध्यक्ष के ...

प्रभात सिन्हा

अमेरिकी प्रशासन ने चीन के साथ उच्च गुणवत्ता वाले सेमीकंडक्टरचिप्स के आयात, निर्यात, वितरण सहित बौद्धिक संपदा के आदान-प्रदान पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

इस कदम को अभी हाल के दिनों में अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव की अमेरिकी प्रतिक्रिया समझा जा सकता है। वैसे तो, चीन अभी चिप का बड़ा उत्पादक नहीं बन पाया है, लेकिन दुनिया भर में निर्मित 35-40 प्रतिशत चिप को चीन ले जाकर ही असेम्बल किया जाता है। जाहिर है प्रतिबंध का उद्देश्य 5जी, रक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स इत्यादि क्षेत्रों में चीन के प्रभाव को कम करना है।

प्रतिबंध के कारण जहां चीन बढ़िया गुणवत्ता वाले सेमीकंडक्टर के निर्माण से वंचित रहेगा वहीं हमारे देश भारत सहित कई देशों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। विशेषज्ञ वर्तमान समय के सेमीकंडक्टरचिप की तुलना 1970 के दशक के परमाणु तकनीक से कर रहे हैं। हालांकि तब भारत के परमाणु क्षेत्र में बढ़ते प्रयासों पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों में चीन भागीदार बना था, लेकिन बदलते भू-राजनीतिक परिस्थितियों में आज प्रतिबंध चीन पर लगा है और भारत प्रमुख देशों के संगठन जी-20 का अध्यक्ष बनकर नियम तय

करने वाली भूमिका में आ चुका है।

सेमीकंडक्टर चिप्स आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी युग के संवाहक है और एयरोस्पेस, ऑटोमोबाइल, संचार, स्वच्छ ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी एवम चिकित्सा उपकरणों सहित अर्थव्यवस्था के लगभग सभी क्षेत्रों के लिए आवश्यक बन चुके हैं। व्यक्तिगत, आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियों के बड़े हिस्से को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के क्रम में चिप-संचालित कंप्यूटर और स्मार्टफोन की उपयोगिता बढ़ती जा रही है। सेमीकंडक्टर सिलिकॉन या जर्मेनियम जैसे शुद्ध तत्वों अथवा गैलियम, आर्सेनाइड या कैंडमियमसेलेनाइड जैसे यौगिक से बने होते हैं और सभी आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उत्पादों के संचालक के रूप में उपयोग में लाये जाते हैं।

वर्तमान में चिप की मांग आपूर्ति से कई गुना ज्यादा बढ़ गई है, और चिप की वैश्विक स्तर पर काफी कमी हो गई है, जिसके कारण कई देशों की सरकारों ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अरबों डॉलर के प्रोत्साहन, निवेश इत्यादि की घोषणा की है।

जुलाई के अंत में अमेरिकी सीनेट ने 52 अरब डॉलर की उद्योग सब्सिडी के लिए एक विधेयक पारित किया। रॉयटर्स के खबर के मुताबिक, फ्रांस में, 5.7 अरब

डॉलर के चिप व्यवसाय को पर्याप्त सरकारी समर्थन प्राप्त होने की उम्मीद है। प्रसिद्ध चिप निर्माता कंपनी इंटेल की अगले दशक में पूरे यूरोप में 80 अरब यूरो से अधिक निवेश की योजना है। भारत सरकार ने भी चिप के घरेलू निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए 10 अरब डॉलर के प्रोत्साहन की घोषणा की है।

भारत सरकार ने, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन की स्थापना की है, जो डिजिटल इंडिया के अंतर्गत एक स्वतंत्र प्रभाग है और जिसका उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत को एक वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। भारत में सेमीकंडक्टर का वर्तमान बाजार 24 अरब डॉलर का है, जो विशेषज्ञों के अनुसार वर्ष 2026 तक 80 अरब डॉलर के पार पहुंच जाएगा।

वर्तमान में सेमीकंडक्टर की आवश्यकता आपूर्ति शत-प्रतिशत आयात से हो रही है। गौरतलब है कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में कई चुनौतियां भी हैं। जैसे यह एक बहुत ही जटिल और गूढ़ प्रौद्योगिकी क्षेत्र है, जिसमें अत्यधिक पूंजी निवेश, उच्च जोखिम, निवेश वापसी की लंबी अवधि और प्रौद्योगिकी में तेज बदलाव शामिल हैं। चिप निर्माण इकाइयों को कई अन्य संसाधनों जैसे लाखों लीटर स्वच्छ पानी, अत्यंत स्थिर बिजली आपूर्ति, बड़ा भूभाग

और अत्यधिक कुशल कार्यबल की आवश्यकता नियमित तौर पर होती है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने वर्ष 2021 में डिजाइन लिंकडइंसेंटिव योजना की शुरुआत की, जिसके अंतर्गत सेमीकंडक्टर डिजाइन में शामिल देश की न्यूनतम 20 घरेलू कंपनियों का पोषण कर अगले 5 वर्षों में 1500 करोड़ रु पये से अधिक का कारोबार हासिल करने की सुविधा प्रदान की जाएगी।

सेमीकंडक्टर की घरेलू आवश्यकता के साथ वैश्विक मांग में भी तेज वृद्धि हो रही है, जिसे भारत पूरा कर सकता है। इसके लिए वर्तमान क्षमता को बढ़ाकर एक बेहतर पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा।

बहरहाल भारत को बदलते वैश्विक परिदृश्य में सेमीकंडक्टर से संबंधित चार बिंदुओं पर विशेष ध्यान देना होगा। पहला, सेमीकंडक्टर निर्माण के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना तैयार करना। दूसरा मानव संसाधन को सेमीकंडक्टर क्षेत्र में दक्ष बनाना। तीसरा बदलते भूमंडलीय समीकरण में विकसित देशों के साथ मिलकर देश में आधुनिक चिप निर्माण का शुरुआत करना और चौथारू जी20 के अध्यक्ष के तौर पर सेमीकंडक्टर व्यवसाय को मानव सम्यता के हित में नियमित और नियंत्रित कर इसका गलत इस्तेमाल रोकना।

कार्यान्वयन योजना दस्तावेज, जलवायु न्याय पर केंद्रित है, जो विकासशील देशों द्वारा सामना की जा रही चिंताओं और मुद्दों का समाधान करता है। भारत के सुझावों को कॉप 27 के निर्णयों में शामिल किया गया। प्रधानमंत्री मोदी, जिनके नेतृत्व में अंतराष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना गठबंधन जैसी कई अंतराष्ट्रीय पहल हुई हैं, ने बार-बार दोहराया है कि जलवायु परिवर्तन ...

भूपेंद्र यादव

27वां पार्टियों का सम्मेलन (कॉप27) पिछले सप्ताह समाप्त हुआ और कई चुनौतियों तथा विचारों में भिन्नता के बावजूद, सदस्य देशों ने जटिल मुद्दों के समाधान के प्रयास किए। कॉप27 को कार्यान्वयन के लिए कॉप का ब्रांड नाम दिए जाने के साथ, प्रमुख मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें प्रमुख हैं- हानि और क्षति वित्त पोषण पर समझौताय अनुकूलन और शमन कार्यक्रम को प्रोत्साहित करना, जो उत्सर्जन में कमी का मुकाबला करता है और प्रभावी कार्यान्वयन को गति प्रदान करता है तथा जो वैश्विक तापमान वृद्धि को पूर्व औद्योगिक स्तरों से 1.5 डिग्री सेल्सियस ऊपर रखने के अधिक महत्वाकांक्षी पेरिस समझौते के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए वैश्विक समुदाय को प्रेरित करता है।

भारत की दृष्टि से कॉप27 के परिणाम महत्वपूर्ण रहे हैं, क्योंकि एक देश के रूप भारत के या विकासशील देशों की सामूहिक आवाज के रूप में भारत द्वारा प्रस्तावित चिंताओं, विचारों और सुझावों को उचित महत्व दिया गया है। शर्म अल-शेख

कार्यान्वयन योजना मानती है कि ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित करने के लिए 2019 के स्तर की तुलना में 2030 तक वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 43 प्रतिशत की तेज और निरंतर कमी किए जाने की आवश्यकता है। योजना यह भी स्वीकार करती है कि विभिन्न राष्ट्रीय परिस्थितियों के आलोक में एवं सतत विकास और गरीबी उन्मूलन के प्रयासों के संदर्भ में सामान्य लेकिन पृथक जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं उखरीबीडीआर-आरसी, को दर्शाते हुए, न्यायपूर्ण और सर्वोत्तम उपलब्ध वैज्ञानिक ज्ञान के आधार पर, इस महत्वपूर्ण दशक में त्वरित कार्रवाई की आवश्यकता है। भारत, राष्ट्रों के लिए जलवायु कार्रवाई लक्ष्यों को निर्धारित करने और इन्हें पूरा करने में सीबीडीआर-आरसी दृष्टिकोण अपनाने का मुखर समर्थक रहा है, ताकि जलवायु परिवर्तन की अनिश्चितताओं से प्रत्येक को बचाने की इस संयुक्त लड़ाई में हम ऐतिहासिक प्रदूषण फैलाने वाले देशों और तकनीकी व वित्तीय अंतर के प्रति सचेत रहें तथा हरित विश्व निर्माण के लिए विकासशील देशों को शामिल किए जाने की

आवश्यकता सुनिश्चित की जा सके।

कार्यान्वयन योजना ने पार्टियों से आग्रह किया, जिन्होंने अभी तक नए या अद्यतन राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदानों की जानकारी नहीं दी है, वे जल्द से जल्द इसे पूरा करें। भारत न केवल उन 29 देशों में शामिल है, जिन्होंने ग्लोबल 26 के बाद अपने बड़े हुए एनडीसी प्रस्तुत किए हैं, बल्कि उन 60 से कम देशों की उस सूची में भी मौजूद है, जिन्होंने ग्लोबल 26 के बाद अपने घोषणा के एक वर्ष के भीतर अपनी दीर्घकालिक कम उत्सर्जन विकास रणनीतियां प्रस्तुत की हैं। ये कदम, जलवायु परिवर्तन से मुकाबला करने के प्रयास का हिस्सा बनने के संदर्भ में नरेंद्र मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। देशों को निम्न-कार्बन उत्सर्जन की ओर बढ़ने के लिए एक कार्ययोजना तैयार करते हुए, कॉप27 कार्यान्वयन योजना राष्ट्रीय दृष्टिकोण को बचाने के साथ-साथ पेरिस परिस्थितियों के अनुरूप सबसे गरीब और सबसे कमजोर देशों को लक्ष्य-आधारित समर्थन देने और एक न्यायपूर्ण परिवर्तन की दिशा में समर्थन की आवश्यकता की पहचान करने का आव्हान करती है। इसने

कॉप 27: कार्यान्वयन का कॉप

मान्यता दी कि विकासशील देशों को दिया गया अधिक समर्थन, उनकी कार्रवाई संबंधी उच्च महत्वाकांक्षा को अनुमति प्रदान करेगा।

भारत ने इस बात को रेखांकित किया कि अधिकांश विकासशील देशों के लिए न्यायपूर्ण बदलाव की तुलना सिर्फ कार्बनकरण को कम करने से नहीं की जा सकती है, लेकिन कम-कार्बन उत्सर्जन के साथ विकासशील देशों को, अपनी पसंद के ऊर्जा मिश्रण तथा एसडीजी हासिल करने में, स्वतंत्रता की आवश्यकता है।

कॉप27 ने सभी जलवायु कार्रवाईयों- न कि केवल शमन, बल्कि शमन, अनुकूलन, वित्त, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और क्षमता निर्माण- पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व को रेखांकित किया। कॉप27 योजना ने गंभीर चिंता के साथ, जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव से मुकाबले के लिए अनुकूलन के मौजूदा स्तरों और उन स्तरों, जिनकी आवश्यकता है, के बीच मौजूदा अंतर को जलवायु परिवर्तन छठी आकलन रिपोर्ट पर अंतर-सरकारी पैनेल के सन्दर्भ में कार्य समूह दृढ़दृढ़ के योगदान के निष्कर्षों के अनुरूप बताया। इसने पार्टियों से क्षमता बढ़ाने, सहनीयता को मजबूत करने और जलवायु परिवर्तन के प्रति खतरे को कम करने के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया। इसने विकासशील देशों से जलवायु वित्त, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और अनुकूलन के लिए क्षमता निर्माण संबंधी अपने प्रावधानों को तत्काल और महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने का आग्रह किया, ताकि विकासशील देशों की जरूरतों का समाधान किया जा सके। भारत ने लंबे समय से अनुकूलन को उचित महत्व देने और

विकासशील देशों की जरूरतों के पैमाने के अनुरूप संसाधनों के पैमाने पर चर्चा करने की तत्काल आवश्यकता पर अपनी लड़ाई को जारी रखा है।

कॉप27 कार्यान्वयन योजना इस बात पर जोर देती है कि उचित और न्यायसंगत बदलाव के उपायों में ऊर्जा, सामाजिक आर्थिक, कार्यबल और अन्य आयाम शामिल हैं, जिनमें से सामाजिक सुरक्षा समेत सभी को राष्ट्रीय स्तर पर परिभाषित विकास प्राथमिकताओं पर आधारित होना चाहिए, ताकि परिवर्तन से जुड़े संभावित प्रभावों को कम किया जा सके। इस योजना में, सामाजिक एकजुटता तथा लागू उपायों के प्रभावों को कम करने से संबंधित उपकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया है। योजना दस्तावेज ने सार्थक शमन कार्रवाई और कार्यान्वयन पर

जीवनशैली अपनाना तथा उपभोग और उत्पादन के स्थायी प्रारूप की दिशा में बदलाव को शामिल किया जाना है। यह कदम मिशन लाइफ़ के अनुरूप है, जो संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 20 अक्टूबर को शुरू की गई शर्षावरण के लिए जीवनशैलीय को बढ़ावा देता है।

कॉप27, पेरिस समझौते के तहत जलवायु वित्त पर नए सामूहिक मात्रात्मक लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने के लिए भी मंच तैयार करता है। इसने जलवायु वित्त पर नए सामूहिक मात्रात्मक लक्ष्य (एनसीक्यूजी) पर विचार-विमर्श में ठोस प्रगति की आवश्यकता को स्वीकार किया, जो मात्रा, गुणवत्ता, पहुंच और धन के स्रोतों समेत विकासशील देशों की जरूरतों और प्राथमिकताओं जैसे विषयों पर भी विचार करेगा।



प्रयाग पब्लिक स्कूल के बच्चों ने दूसरा वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया

बच्चों ने मन भावन कार्यक्रम पेशकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया

दैनिक बुद्ध का संदेश बाराबंकी। प्रयाग पब्लिक स्कूल सन्दीली उमरपुर बाराबंकी में वार्षिकोत्सव धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि कवि,अध्यापक व पूर्व सांसद राज्यसभा व लोकसभा उदय प्रताप सिंह यादव ने दीप जलाकर किया। उन्होंने बच्चों से मंजिल पाने के लिए कड़ी मेहनत करने व सुसंस्कारित बनने को कहा। अनुशासन पर जोर दिया। आज के बच्चे देश के कल के कर्णधार हैं। उन्हें अच्छा नागरिक बनाने के लिए अध्यापकों के साथ ही अभिभावकों की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने स्कूल की उपलब्धियों की सराहना (५१६) द्वारा स्कूल को प्रबंधन की। कार्यक्रम के शुभ अवसर गुणवत्ता का प् 901.2008 का



प्रयाग पब्लिक स्कूल सन्दीली उमरपुर, बाराबंकी में वार्षिकोत्सव का शुभारंभ।

प्रबंधक राम चंद्र यादव ने सभी का स्वागत किया। प्रधानाचार्या ज्योति यादव ने सभी का आभार जताया। बच्चों ने अपने कार्यक्रमों की शुरुआत सरस्वती की वंदना और स्वागत गीत गाकर किया। इसके अलावा बच्चों ने जल ही जीवन है और जागरुकता अभियान पर नाटक भी प्रस्तुत किया। क्लासिकल और राजस्थानी डांस की भी शानदार प्रस्तुति देकर अभिभावकों का मन मोह लिया। वहां, समाजशास्त्री मनीष हिंदवी, रिटायर्ड मा जिला जज ट व नकवी, राष्ट्रीय किसान मंच के अध्यक्ष शेखर दीक्षित, प्रसिद्ध उद्योगपति लाल बहादुर सिंह, पूर्व चेयरमैन जग नायक सिंह यादव, अखिल भारतीय यादव महासभा के सचिव प्रमोद चौधरी समेत बड़ी संख्या में अभिभावक और शिक्षक मौजूद थे।

द्वारा अपनी माता जी की स्मृति में कराया जा रहा है। प्रतियोगिता में क्षेत्र के ग्रामीण अंचल के युवाओं को अपने अपने खेल का प्रदर्शन करने का भरपूर अवसर प्राप्त हो रहा है। इतना ही नहीं आयोजन समिति की ओर से अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा क्रिकेटर को मेडल प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। इस अवसर पर आयोजक समिति के अजय धर द्विवेदी, दीपक शर्मा, प्रदीप तिवारी, अभिषेक द्विवेदी, निखिल द्विवेदी, आलोक द्विवेदी, रामकेश कुशावाहा, नीरज गौतम, गुड्डू जायसवाल, जय प्रकाश, जितेंद्र आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में एक मौत तीन हुए घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश मसौली/बाराबंकी। शुक्रवार की दोपहर लखनऊ अयोध्या

है। लखनऊ अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर शुक्रवार की दोपहर उस समय बड़ी दुर्घटना हो गयी

अपनी पत्नी शशि वर्मा के साथ बाइक नम्बर यूपी 41 एल 6338 से आ रहे थे। उसी दौरान सफदरगंज की ओर से आ रही कार नम्बर यूपी 32 एन ए 0511 में अयोध्या की ओर से तेज रफ्तार से आ रही अनियंत्रित प्राइवेट एम्बुलेंस नम्बर यूपी 42 टी 6525 ने कार में टक्कर मारते हुए दोनों बाइको को चपेट में ले लिया जिससे महिला सहित तीन लोग घायल हो गये जिन्हें एम्बुलेंस से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जिसमें 35 वर्षीय आयुष वर्मा की मौत हो



राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सफदरगंज चौराहे पर हाईवे पार करने के लिए खड़े दो बाइको को अनियंत्रित प्राइवेट एम्बुलेंस ने टक्कर मार दी दुर्घटना में घायल एक युवक की मौत हो गयी तथा महिला सहित तीन लोग घायल हो गये जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया

गई तथा तीनों अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है वही जानकारी मिली है कि कार सवार फतेहचंद जगदीशशर्मा इंटर कालेज के प्रवक्ता हरीश रावत व एम्बुलेंस में भर्ती मरीज के भी आंशिक चोटें आयी हैं। पुलिस ने मृतक का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत क्षेत्र पंचायत सदस्यों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश सोनभद्र। म्योरपुर स्थानीय ब्लॉक सभागार में उप निदेशक



(पंचायत) विद्याचल मंडल के निर्देशन में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत क्षेत्र पंचायत सदस्यों को दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आये क्षेत्रीय विधायक रामदुलार गोंड व ब्लॉक प्रमुख मानसिंह गोंड ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रथम दिन क्षेत्र पंचायत सदस्यों को प्रशिक्षण के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दिया गया। कार्यक्रम में राजेश तिवारी (वरिष्ठ फेकलिटी डीपीआरसी सोनभद्र) ने राष्ट्रीय ग्रामीण स्वराज्य अभियान के बारे में जानकारी दिया। इस मौके पर खण्ड विकास अधिकारी नीरज तिवारी, एडीओ पंचायत रविदत्त मिश्र, प्रशिक्षक विनय कुमार भास्कर, प्रशिक्षण कार्यक्रम संयोजक सादिक अंसारी, अखिल पटेल इत्यादि लोग मौजूद रहे।

महुआंव पाण्डेय में ग्रामीण अंचलों के युवा क्रिकेटर प्रतियोगिता में बिखेर रहे हैं प्रतिभा

दैनिक बुद्ध का संदेश आयोजन युवा समाज सेवी व घोरवल/सोनभद्र जिले के प्रखर वक्ता चंद्रशेखर पांडेय

घोरावल तहसील क्षेत्र अंतर्गत महुआंव पांडेय गांव में चल रहे जामवंती पांडेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में शुक्रवार को खजुरौल की टीम और जंग बहादुर इंटर कॉलेज की टीम के बीच क्रिकेट मैच खेला गया। खजुरौल की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 62 रन बनाए, जिसके जवाब में मैदान में उतरी जंग बहादुर इंटर कॉलेज की टीम ने 4 विकेट से मैच को जीत लिया। इस मैच के प्लेयर ऑफ द मैच सूरज कुमार रहे। बताते चलें कि क्रिकेट प्रतियोगिता का यह



द्वारा अपनी माता जी की स्मृति में कराया जा रहा है। प्रतियोगिता में क्षेत्र के ग्रामीण अंचल के युवाओं को अपने अपने खेल का प्रदर्शन करने का भरपूर अवसर प्राप्त हो रहा है। इतना ही नहीं आयोजन समिति की ओर से अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा क्रिकेटर को मेडल प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। इस अवसर पर आयोजक समिति के अजय धर द्विवेदी, दीपक शर्मा, प्रदीप तिवारी, अभिषेक द्विवेदी, निखिल द्विवेदी, आलोक द्विवेदी, रामकेश कुशावाहा, नीरज गौतम, गुड्डू जायसवाल, जय प्रकाश, जितेंद्र आदि मौजूद रहे।

अभय शर्मा विश्व दिव्यांग दिवस पर लखनऊमें एक कार्यक्रम का करेंगे शुभारंभ



लखनऊ के शहीद पथ स्थित जयपुरिया स्कूल में बी द लाइट कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। दृष्टि बाधित होने के बावजूद भी अभय लोगों के लिए एक प्रेरणा बने और दिव्यांग दिवस के अवसर पर ऐसे महान और प्रेरणाश्रोत व्यक्तित्व को देश के कोने-कोने से इतना सम्मान मिलना निश्चय ही सोनभद्र के लिये गौरव का विषय है। वहीं देवेश मिश्रा गुरु, समाजसेवी सौरभ कान्त पति तिवारी एवं आशीष पाठक ने कहा कि हम गौरवशाली हैं कि अभय जी जैसी शख्शियत हमारे बीच में है और उन्हें बड़े बड़े अवसर प्राप्त हो रहे हैं। जिससे हमारे जनपद का नाम देश दुनिया तक पहुंच रहा है। स्वामी अरविन्द सिंह, चन्द्रभान गुप्ता, नवीन कुमार सिंह, नीरज शर्मा, शाहिद खान, गुलाब प्रसाद देशमुख, त्रिभुवन यादव, सर्वेश शुक्ला आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए अभय को शुभकामनाएं दी हैं।

दैनिक बुद्ध का संदेश सोनभद्र। इण्डियन स्टैंडअप कॉमेडियन अभय शर्मा विश्व दिव्यांग दिवस पर लखनऊ में बी द लाइट कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में होंगे शामिल। जनपद सोनभद्र के मूल निवासी कई टीवी शो पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके अभय कुमार शर्मा देश विदेश तक चर्चित हो चुके हैं। सोनभद्र का पताका पूरे देश भर में फैला रहे अभय शर्मा तीन दिसम्बर विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर लखनऊ के शहीद पथ स्थित जयपुरिया स्कूल में बी द लाइट कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। दृष्टि बाधित होने के बावजूद भी अभय लोगों के लिए एक प्रेरणा बने और दिव्यांग दिवस के अवसर पर ऐसे महान और प्रेरणाश्रोत व्यक्तित्व को देश के कोने-कोने से इतना सम्मान मिलना निश्चय ही सोनभद्र के लिये गौरव का विषय है। वहीं देवेश मिश्रा गुरु, समाजसेवी सौरभ कान्त पति तिवारी एवं आशीष पाठक ने कहा कि हम गौरवशाली हैं कि अभय जी जैसी शख्शियत हमारे बीच में है और उन्हें बड़े बड़े अवसर प्राप्त हो रहे हैं। जिससे हमारे जनपद का नाम देश दुनिया तक पहुंच रहा है। स्वामी अरविन्द सिंह, चन्द्रभान गुप्ता, नवीन कुमार सिंह, नीरज शर्मा, शाहिद खान, गुलाब प्रसाद देशमुख, त्रिभुवन यादव, सर्वेश शुक्ला आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए अभय को शुभकामनाएं दी हैं।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (30प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458

संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा

9415163471, 9453824459

दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917, 9415163471
@budhakaasandesh
budhakaasandeshnews@gmail.com
www.budhakaasandesh.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो:0-- 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो:0-- 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो:0-- 9454415936
एस डीएम बांसी	मो:0-- 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो:0-- 9454415939
एस डीएम इटवा	मो:0-- 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो:0-- 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो:0-- 9454400305
याना मोहाना	मो:0-- 9454404239
याना जोगिया उदयपुर	मो:0-- 9454404235
याना गोलौरा	मो:0-- 9454404233
याना पथरा बाजार	मो:0-- 9454404240
याना त्रिलोकपुर	मो:0-- 9454404243
याना उसका बाजार	मो:0-- 9454404244

राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश

याना शोहरतगढ़	मो:0-- 9454404241
याना खेसरहा	मो:0-- 9454404236
याना इटवा	मो:0-- 9454404234
याना चिल्हिया	मो:0-- 9454404229
याना देबरुआ	मो:0-- 9454404230
याना भवानीगंज	मो:0-- 9454404228
याना मिश्रौलिया	मो:0-- 9454404238
याना सि0नगर	मो:0-- 9454404242
याना डुमरियागंज	मो:0-- 9454404232
याना लोटन	मो:0-- 9454404237
महिला याना	मो:0-- 9454404891

निर्वाचन नामावली का पुनरीक्षण रविवार तक

दैनिक बुद्ध का संदेश घोरावलधसोनभद्र। विधे पानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचन नामावलियों का पुनरीक्षण के अंतर्गत 4 दिसंबर रविवार को विशेष अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान को अंतिम विशेष अभियान का नाम दिया गया है। उपजिलाधिकारी श्याम प्रताप सिंह ने बताया कि 9 नवंबर से 8 दिसंबर तक नामावली में दावे और आपत्तियों का निस्तारण होना है। बता दें आगामी 4 दिसंबर को विशेष अभियान में बूथ लेबल के अधिकांशों को सुबह 10 बजे से 4 बजे तक विभिन्न प्रकार के फॉर्म के साथ उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। इस विषय में उपजिलाधिकारी श्याम प्रताप सिंह ने बताया कि 4 दिसंबर को विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बूथधर्मतय स्थलों पर मतदाता अपने मतदाता सूची में अपने नाम का निरीक्षण कर सकते हैं। नाम बढ़ाए जाने के लिए फार्म 6 का प्रयोग सकते हैं जो वहीं बूथ पर उपलब्ध रहेगा। इसी प्रकार आधार नंबर की सूचना के लिए फार्म 6ख का प्रयोग करेंगे। वहीं नाम अपमर्जित किए जाने के लिए फार्म 7 का प्रयोग कर सकेंगे। मतदाता निवास स्थानों की दशा में फार्म 8 का प्रयोग करना होगा। उपजिलाधिकारी ने आम जन से विशेष अभियान को सफल बनाने के लिए अपील की।

पुलिस लाइन्स की शाखाओं का निरीक्षण, दिया दिशा-निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन्स में आयोजित परेड में प्रतिभाग कर सलामी ग्रहण की गयी। इसके पश्चात पुलिस लाइन्स की बैरक, यातायात कार्यालय, व्यायामशाला, कैंटीन, पुलिस अस्पताल, पुलिसकर्मियों के लिए संचालित मेस में स्वयं भोजन कर खाने की गुणवत्ता जांची एवं अन्य शाखाओं का निरीक्षण किया गया एवं पीआरवी पर नियुक्त पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान निष्पक्षता पूर्वक कार्य करने व पुलिसकर्मियों को पुलिस लाइन्स परिसर को स्वच्छ रखने हेतु प्रेरित करते हुए अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन सुमित त्रिपाठी, प्रतिसार निरीक्षक सुभाष चन्द्र मिश्रा एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे।



जागरूता से संभव है एचआईवी संक्रमण से बचाव-डा. वी.के. वर्मा

बस्ती। पटेल एस.एम.एच. हास्पिटल एण्ड पैरा मेडिकल कालेज गोतवा के सभागार में रोटी क्लब बस्ती ग्रेटर द्वारा विश्व एड्स दिवस पर केन्द्रित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। क्लब अध्यक्ष एवं होम्योपैथ के वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि एड्स एक जान लेवा बीमारी है। सजगता से ही बचाव संभव है। डा. वर्मा ने कहा कि एचआईवी संक्रमण एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। एचआईवी का पूरा नाम ह्यूमन इन्फ्लुएन्जाएन्सी वायरस है। एचआईवी संक्रमण शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को टारगेट करके शरीर को कमजोर करता है। इन्फ्लुएन्जा कमजोर होने से वक्त के साथ लोगों में अन्य गंभीर

गानी एड्स जैसी जानलेवा बीमारी से हमें बचा सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, एड्स खुद में कोई बीमारी नहीं, लेकिन इससे पीड़ित शरीर प्राकृतिक प्रतिरोधी क्षमता को खो देता है। इसकी वजह होता है एचआईवी। एचआईवी एक वायरस है जो संक्रमण के कारण होता है। शरीर में एचआईवी संक्रमण के प्रसार के कई कारण हो सकते हैं। कहा कि असुरक्षित यौन संबंध बनाने, संक्रमित व्यक्ति के रक्त के माध्यम या गर्भावस्था में प्रसव के दौरान संक्रमित मां से बच्चे तक एचआईवी फैल सकता है। एचआईवी एड्स के सबसे अधिक मामलों असुरक्षित यौन संबंध बनाने के कारण देखने को मिलते हैं।

सिरदर्द से परेशान हैं तो इन 5 चीजों के सेवन से बचें, बढ़ सकती है समस्या



सिरदर्द के कारण कई लोग काफी असहज और विचलित हो जाते हैं और उससे छुटकारा पाने के लिए दर्द निवारक दवाइयों का सेवन करने लगते हैं। हालांकि, ये दवाइयां भी आपको तब तक पूरी तरह राहत नहीं दिला सकती है, जब तक कि आप इस समस्या को बढ़ाने वाली खान-पान की चीजों का सेवन करते रहेंगे। आइए आज हम आपको पांच ऐसी खान-पान की चीजों के बारे में बताते हैं, जिनका सेवन सिरदर्द को बढ़ाने का कारण बन सकती है।

दुग्ध उत्पाद

दुग्ध उत्पाद कई पोषक तत्वों के भरपूर होते हैं, लेकिन अगर कभी सिरदर्द हो तो दूध या फिर चीज जैसे दुग्ध उत्पादों से परहेज करना ही बेहतर होगा। दूध सिरदर्द सिरदर्द को बढ़ाने का सामान्य कारण माना जाता है। अगर आप लैक्टोज को सहन करने में अक्षम हैं तो फिर यह आपके लिए और भी घातक सिद्ध हो सकता है। इसी तरह चीज में टायरामाइन नामक खास तत्व होता है, जो रक्त वाहिकाओं को सिकोड़कर सिरदर्द बढ़ाता है।

खट्टे फल

खट्टे फल विटामिन- सी का बेहतरीन स्रोत होते हैं, जिस कारण इनका सेवन स्वास्थ्य के लिए काफी लाभदायक माना जाता है। हालांकि, ज्यादातर खट्टे फलों में विटामिन- सी समेत ऑक्टोपामाइन नामक तत्व मौजूद होता है, जो सिरदर्द को बढ़ाने का कारण बन सकता है। जो लोग खट्टे फल बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं, उन्हें भी संतरा, मौसमी, नींबू और अंगूर का सेवन करने से सिरदर्द की समस्या हो सकती है।

आर्टिफिशियल मिठास

आजकल बाजार या फिर ऑनलाइन गॉसरी साइट्स पर ऐसी खान-पान की चीजें आसानी से उपलब्ध हैं, जो आर्टिफिशियल मिठास से युक्त होती हैं। हालांकि सिरदर्द के रोगियों के लिए ऐसी चीजों का सेवन परेशानी बढ़ा सकता है। इसका कारण है कि आर्टिफिशियल मिठास शरीर में डोपामाइन के स्तर को कम कर सकती है, जिससे सिरदर्द बढ़ सकता है। ऐसे में सिरदर्द की समस्या से परेशान लोगों को ऐसी चीजों का सेवन करने से बचना चाहिए।

चॉकलेट

चॉकलेट बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को बहुत पसंद आती है। हालांकि, सिरदर्द होने पर इसका सेवन नहीं करना चाहिए। इससे आपकी समस्या बढ़ सकती है। चॉकलेट में कैफीन और टायरामाइन मौजूद होता है और ये सिरदर्द बढ़ाने में सहायक होते हैं। ऐसे में चॉकलेट के चार-पांच टुकड़े चॉकलेट खाने से आपको तेज सिरदर्द हो सकता है। हालांकि, चॉकलेट खाने की तेज इच्छा होने पर सीमित मात्रा में डार्क चॉकलेट का सेवन किया जा सकता है।

चाय या कॉफी

बहुत से लोग सिरदर्द होने पर चाय या फिर कॉफी का सेवन करना सही समझते हैं, जबकि ये पेय पदार्थ आपकी समस्या को बढ़ाने की वजह बन सकते हैं। दरअसल, ये पेय पदार्थ कैफीन युक्त होते हैं और अगर आप इनका सेवन सिरदर्द होने पर करते हैं तो इससे दर्द और ज्यादा बढ़ सकता है। इनकी बजाय ज्यादा से ज्यादा पानी पीएं। यह सिरदर्द को कम करने में काफी मदद कर सकता है।

साड़ी पहने अप्सरा सी दिखीं रुबीना दिलैक, एलिगेंट लुक ने जीते लाखों फैंस के दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस रुबीना दिलैक हमेशा से अपने बेबाक अंदाज से फैंस का दिल जीतती हुई आई हैं। एक्ट्रेस हाल ही में अपने लेटेस्ट लुक के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट में बनी



हुई हैं। रुबीना दिलैक हर समय फैंस के बीच अपनी ग्लैमरस तस्वीरों इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं, जो तेजी से फैंस के बीच वायरल होने लग जाती हैं। एक्ट्रेस रुबीना दिलैक अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से इन दिनों सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट फैंस के बीच शेयर किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस रुबीना दिलैक का बेहद ही स्टाइलिश अंदाज एक बार फिर से कैमरे में कैद हो गया है। अपनी लेटेस्ट फोटोज में एक्ट्रेस रुबीना दिलैक ने सिल्वर साड़ी पहनी हुई है, जिसमें एक्ट्रेस ने बेहद ही स्टाइलिश कटआउट डीप नेक ब्लाउज वेयर किया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस अपना कर्ची फिगर और हॉट अदाएं दिखाते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं। रुबीना सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ हमेशा जुड़ी हुई रहती हैं। फैंस भी एक्ट्रेस की एक झलक पाने के लिए उनकी तस्वीरों बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। रुबीना दिलैक सोशल मीडिया पर हमेशा छाई हुई रहती हैं। इन दिनों अपने काम से ज्यादा अपनी तस्वीरों को लेकर चर्चाओं में हैं।

सैम बहादुर की रिलीज डेट का ऐलान, विक्की कौशल ने शेयर किया फिल्म का टीजर



रिलीज होगी। टीजर में विक्की सैम बहादुर के अवतार में नजर आ रहे हैं। हालांकि, इसमें उनका चेहरा नहीं दिखाया गया। वह भारतीय सेना की वर्दी में दिख रहे हैं। कैमरे की तरफ उनकी पीठ है और वह आगे बढ़ते जा रहे हैं। उनके दोनों तरफ सेना के जवान खड़े हैं। यह फिल्म मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी है।

विक्की इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह 2022 में सैम बहादुर की शूटिंग का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में भारत के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशा की शौर्यगाथा को पेश किया जाएगा, जिसे विक्की पर्दे पर पेश करेंगे। अभिनेत्री सान्धा मल्होत्रा फिल्म में उनकी पत्नी का किरदार निभा रही हैं, वहीं फतिमा सना शेख भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में दिखने वाली हैं।

सैम मानेकशा देश के सबसे महान फौजी अफसरों में से एक थे। उन्हें कई पुरस्कारों से नवाजा गया था। 1973 में सैम मानेकशा को फील्ड मार्शल की उपाधि से नवाजा गया। वह इस पद से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय जनरल थे। 1972 में भारत सरकार ने उन्हें पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया। 1973 में सेना प्रमुख के पद से रिटायर होने के बाद वह वेलिंग्टन चले गए। वेलिंग्टन में ही 2008 में उनकी मृत्यु हो गई थी।

अजय देवगन मैदान में फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम तो गोरखा में अक्षय कुमार युद्ध नायक मेजर जनरल इयान कार्डोजो बने हैं। पिप्पा में ईशान खट्टर ब्रिगेडियर बलराम सिंह मेहता बने हैं, वहीं चकदा एक्सप्रेस से अनुष्का शर्मा, झूलन गोस्वामी की कहानी ला रही हैं।

विक्की जल्द ही फिल्म गोविंदा नाम मेरा में भी दिखाई देंगे। इसमें उनके साथ भूमि पेडनेकर और कियारा आडवाणी नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक लक्ष्मण उतेकर की एक फिल्म में काम कर रहे हैं, जिसमें उनकी जोड़ी सारा अली खान के साथ बनी है। फिल्म द ग्रेट इंडियन फेमिली भी विक्की के खाते से जुड़ी है। वह आनंद तिवारी की अगली फिल्म का हिस्सा हैं और शाहरुख खान अभिनीत फिल्म डंकी में भी उनका किरदार बेहद अहम है।

जुबिन नौटियाल के फैंस के लिए बुरी खबर, सीढ़ियों से गिरने के बाद हुए घायल, सिर और पसली में लगी चोट

जाने-माने गायक जुबिन नौटियाल को लेकर एक बड़ी खबर



आ रही है। जानकारी के मुताबिक जुबिन नौटियाल अपने घर में सीढ़ियों से गिर गए जिसकी वजह से उनकी कोहनी टूट गई है। इसके अलावा उनकी पसलियों और सिर में भी चोट आई है। साथ ही साथ उनके माथे में भी चोट की खबर है। मिल रही जानकारी के मुताबिक फिलहाल सिंगर को मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबर यह भी आ रही है कि उनके दाहिने हाथ का ऑपरेशन भी होगा। फिलहाल उन्हें डॉक्टरों की ओर से पूरी तरीके से आराम की सलाह दी गई है और दाएं हाथ का इस्तेमाल नहीं करने की बात कही गई है। आपको बता दें कि जुबिन नौटियाल देश के जाने-माने सिंगर हैं। हाल में ही उनका एक गाना तो सामने आए रिलीज हुआ था। इसे उन्होंने योहानी के साथ गाया था। गुरुवार को ही यह गाना लॉन्च हुआ था। फिलहाल जुबिन नौटियाल युवाओं के पसंदीदा सिंगर हैं। उनका हर गाना हुआ गाना काफी हिट होता है। उनके हिट गानों की सूची काफी लंबी है। इसमें रात लंबिया, लूट गए, हमनवा मेरे, तु ही आना, बेवफा तेरा मासूम चेहरा, तुझे कितना चाहने लगे हम शामिल हैं। अपनी आवाज के साथ साथ अपने लुक को लेकर भी जुबिन नौटियाल काफी मशहूर हैं। आपको बता दें कि जुबिन नौटियाल का जन्म 14 जून 1989 को देहरादून में हुआ था। उनके पिता, राम शरण नौटियाल, उत्तराखंड में एक व्यापारी और राजनीतिज्ञ हैं। उनकी माँ, नीना नौटियाल, एक व्यवसायी महिला हैं। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा आठवीं कक्षा तक सेंट जोसेफ अकादमी, देहरादून से की। स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद, वह 2007 में मुंबई चले गए और मीठीबाई कॉलेज में दाखिला लिया। उन्होंने संगीत में प्रशिक्षण लेना जारी रखा (वाराणसी में पंडित छन्नूलाल मिश्रा के अधीन) और बॉलीवुड में कदम रखा।

लाल सेब बनाम हरा सेब: दोनों में से किसका सेवन स्वास्थ्य के लिए है बेहतर?



अच्छे स्वास्थ्य के लिए सेब का सेवन फायदेमंद माना जाता है, लेकिन इसकी कई किस्में होती हैं। ज्यादातर लोग हरे और लाल सेब को लेकर उलझन में रहते हैं कि इनमें से किसका सेवन स्वास्थ्य के लिए ज्यादा बेहतर है। अगर आप भी इसी कशमकश में रहते हैं तो आपको बता दें कि दोनों सेबों में ज्यादा अंतर नहीं है। आइए जानते हैं कि लाल सेब और हरे सेब में से कौन सा सबसे ज्यादा स्वास्थ्यवर्धक है।

हरे सेब में कौनसे पोषक तत्व मौजूद रहते हैं?

हरे सेब स्वाद में खट्टे होते हैं और इनका छिलका मोटा होता है। हरे सेब में लाल सेब की तुलना में विटामिन- ए, विटामिन- बी, विटामिन- सी, विटामिन- ई और विटामिन- के की अच्छी-खासी मात्रा मौजूद होती है। इसी तरह हरे सेब में लाल सेब की तुलना में अधिक आयरन, पोटैशियम, प्रोटीन भी होता है। इसके अलावा हरे सेब में कार्बोहाइड्रेट की कम मात्रा के साथ शुगर भी कम होती है।

लाल सेब में कौनसे पोषक तत्व होते हैं?

लाल सेब का स्वाद मीठा और रसीला होता है। इसका छिलका पतला, रसीला और लाल होता है। इसके छिलके का लाल रंग एंथोसायनिन नामक विशेष तत्व की उपस्थिति के कारण होता है। लाल सेब में हरे सेब की तुलना में पोषण मूल्य कम होता है और इसमें शुगर की मात्रा भी अधिक होती है। हालांकि, इस सेब में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण की उच्च मात्रा मौजूद होती है।

लाल और हरे सेब में प्रमुख अंतर समेत फायदे

लाल और हरे सेब के छिलके का रंग अलग-अलग होता है और इनका स्वाद भी एक-दूसरे से भिन्न होता है। इनके फायदों की बात करें तो हरे सेब का सेवन वजन घटाने में मदद कर सकता है। इसके अतिरिक्त, यह सेब पाचन, फेफड़े और किडनी के लिए सबसे ज्यादा लाभदायक साबित हो सकता है। लाल सेब का सेवन हृदय को स्वस्थ रखने में मददगार है और इसका सेवन रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में भी सक्षम है।

लाल और हरे सेब में से स्वास्थ्य के लिए ज्यादा बेहतर कौनसा है?: अब बारी आती है यह उलझन दूर करने की कि लाल और हरे सेब में से किसका सेवन स्वास्थ्य के लिए ज्यादा बेहतर है। हरे सेब के कुछ पौष्टिक तत्व लाल सेब से थोड़े ज्यादा हैं और कैलोरी के मामले में भी लाल सेब से बेहतर है। इसलिए सीमित मात्रा में हरे सेब का सेवन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि लाल सेब के सेवन से कोई नुकसान होता है।

सिद्धार्थनगर का सबसे बड़ा प्रिण्टिंग पब्लिकेशन हाउस... प्रिण्टिंग/कॉपी/डिजाइन/कॉपी/कॉपी

बुद्ध पब्लिकेशन

ऑफसेट एण्ड प्रिण्टर्स

● सी.एस.टी. बिल बुक/फार्म ● कार्यालय टिकट ● स्कूल फार्म/फार्म/डायरी ● फार्मलेट ● कलर पीपर्स ● कलर प्रिण्टिंग कार्ड ● ऑनलाइन टिकट ● बैंक फार्म

टिकट-टीरो एजेंसी जीवद नम्बरपुर-सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)

☎ 8795951917, 9453824459